Sem. 1 (MJC)

Q पर्वत निर्माण का अर्थ :

पर्वत निर्माण वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा पृथ्वी की सतह पर विभिन्न आंतरिक शक्तियों और प्लेट विवर्तनिकी गतिविधियों के कारण पर्वतों का निर्माण होता है।

* पर्वत निर्माण के प्रमुख कारण :

→ प्लेट विवर्तनिकी गति
→ संपीडन और तनाव
→ भूपर्पटी का मुड़ना
→ भ्रंशन
⇒ ज्वालामुखीय क्रियाएँ

* पर्वत निर्माण की प्रमुख प्रक्रियाएँ

(A) मोड़न (folding)

जब भूपर्पटी पर क्षैतिज दबाव पड़ता है चट्टानें मुड़ जाती है।
→ इससे वलित पर्वत बनते है।
उदाहरण : हिमालय, आल्पस, रॉकी पर्वत।

(B) भ्रंशन (faulting)

जब चट्टानें टूटकर ऊपर - नीचे खिसकती है, इससे भ्रंश पर्वत बनते है।
उदाहरण : वॉजेस पर्वत (यूरोप), ब्लैक फॉरेस्ट (जर्मनी) सतपुड़ा (भारत)।

(c) ज्वालामुखी क्रिया

लावा के जमने से पर्वत बनते है इन्हे ज्वालामुखी पर्वत कहते है।
उदाहरण :- माउंट फूजी (जापान), माउंट किलिमंजारो (अफ्रीका)।

* पर्वतों के प्रकार :-
(1) वलित पर्वत (Fold Mountains)
नवीन वलित : हिमालय
प्राचीन वलित : अरावली

(2) भ्रंश पर्वत (Block Mountains)
(3.) ज्वालामुखी पर्वत (Volcanic Mountains)
(4.) अवशिष्ट पर्वत (Residual Mountains)
→ अपरदन से बने।
उदाहरण :- अरावली, विंध्य।

* प्लेट विवर्तनिकी और पर्वत निर्माण :-

→ अभिसारी प्लेट सीमा पर पर्वत निर्माण होता है।
भारतीय प्लेट + यूरेशियन प्लेट = हिमालय
समुद्री + महाद्वीपीय प्लेट = ज्वालामुखी पर्वत श्रृंखला

* पर्वत निर्माण का महत्व :-
→ नदियों का उद्गम
→ जलवायु पर प्रभाव

vivo Y02
Feb 10, 2026, 18:31

⟶ खनिज संसाधनों का भंडार

⟶ प्राकृतिक सुरक्षा दीवार

⟶ पर्यटन और जैव-विविधता

* निष्कर्ष :

पर्वत निर्माण पृथ्वी की गतिशील प्रकृति का परिणाम है।

⟶ प्लेट विवर्तनिकी के कारण आज भी पर्वत निर्माण की प्रक्रिया चल रही है, जैसे हिमालय आज भी उठ रहा है।

vivo Y02
Feb 10, 2026, 18:31